

प्र ति ज्ञा प त्र
=====

"सोलापूर शहरातील प्राथमिक शिक्षकांची अध्यापन
विषयक अभियोग्यता - एक चिकित्सक अभ्यास" हा लघुसोध
प्रबंध मी स्वतः तयार केलेला असून हा प्रबंध कोणत्याही
विद्यापीठाच्या परीक्षेकरिता सादर केलेला नाही असे मी
प्रतिज्ञापूर्वक नमूद करते.

प्रस्तुत लघुसोध प्रबंध मी शिवाजी विद्यापीठाच्या
एम्. फिल. पदवी परीक्षेकरिता सादर करित आहे.

सोलापूर

दिनांक : 27 / 06 / 1999



[सौ. जगताप आ. ह.]

कस्तुरबाई शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय
अशोक चौक, सोलापूर

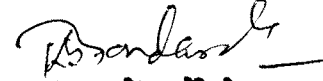
१९९७ - ९९

मार्गदर्शकाचे प्रमाणपत्र

प्रमाणित करण्यात येते की, सौ. जगताप आशालता हनुमंत यांनी "सोलापूर शहरातील प्राथमिक शिक्षकांची अध्यापन विषयक अभियोग्यता - एक चिकित्सक अभ्यास" हा लघुसोध प्रबंध माझ्या मार्गदर्शनाखाली समाधानकारकपणे पूर्ण केलेला आहे. त्यांचे हे संशोधन त्यांचे स्वतःचे असून ज्या ठिकाणी इतर संदर्भ घेतलेले आहेत त्याचा उल्लेख आवश्यक तेथे केलेला आहे.

सोलापूर

दिनांक : २१/०६/१९९९



[प्रा. डॉ. बोंदार्डे के. एम्.]

मार्गदर्शक तथा प्रपाठक
कस्तूरबाई शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय
अशोक चौक, सोलापूर

प्राचार्यचि प्रमाणपत्र

प्रमाणित करण्यात येते की, सौ. जगताप आशालता हनुमंत यांनी "सोलापूर शहरातील प्राथमिक शिक्षकांची अध्यापनविषयक अभियोग्यता - एक चिकित्सक अभ्यास" हा लघुग्रंथ प्रबंध प्रा. डॉ. बोंदार्डे के. एम्., कस्तुरबाई शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, सोलापूर यांच्या मार्गदर्शनाखाली पूर्ण केलेला आहे. हा लघुग्रंथ प्रबंध त्यांनी १९९७ - ९९ या कालावधीत पूर्ण केलेला आहे. तसेच हा लघुग्रंथ प्रबंध त्यांच्या कठोर परिश्रमाची निष्पत्ती असून तो एम्. फिल. [शिक्षणशास्त्र] पदवी परीक्षेकरिता परिपूर्ण आहे.

सोलापूर

दिनांक : २१ / ०६ / १९९९



[प्रा. डॉ. भिंताडे वि. रा.]

प्राचार्य

कस्तुरबाई शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय
अशोक चौक, सोलापूर

ऋ ण नि र्देश
=====

"सोलापूर शहरातील प्राथमिक शिक्षकांची अध्यापन विषयक अभ्योग्यता - एक चिकित्सक अभ्यास" या विषयावर लघुसोध प्रबंध लिहिताना मला अनेक व्यक्तींचे बहुमोल सहकार्य मिळाले. या सर्वांची मी ऋणी आहे. हया ऋणाची परतफेड माझ्याकडून कोणत्याही प्रकारे होणे शक्य नाही. तरीपण शाब्दिक का होईना त्यांच्या ऋणाची फेड करणे मी माझे कर्तव्य समजते.

ज्यांच्या सुयोग्य व बहुमोल मार्गदर्शनामुळे मी माझा लघुसोध प्रबंध पुरा करू शकले ते प्राध्यापक डॉ. बोंदार्डे के. एम्. यांची मी सदैव ऋणी आहे. तथ्य माहिती संकलित करताना सोलापूर शहरातील प्राथमिक शाळेतील मुख्याध्यापक, मुख्याध्यापिका, शिक्षक व शिक्षिकांनी बहुमोल सहकार्य केले त्यामुळे हा लघुसोध प्रबंध मी पूर्ण करू शकले. त्यांचेही मी हार्दिक आभार मानते.

कस्तुरबाई शिक्षणशास्त्र महाविद्यालयाचे प्राचार्य व इतर सहकारी प्राध्यापक वर्ग यांनी वेळोवेळी मला मार्गदर्शन व सहकार्य केले त्यांचीही मी ऋणी आहे. महाविद्यालयातील शिक्षकेतर कर्मचा-यांचेही योगदान उल्लेखनीय आहे. त्यांचीसुद्धा मी आभारी आहे.

महाविद्यालयातील ग्रंथपाल श्री सावंजी यांनी माझ्या लघुसोध प्रबंधाकरिता लागणारे ग्रंथ व पुस्तके वेळोवेळी पुरविली व सहकार्य केले त्यामुळे मी त्यांचीही ऋणी आहे. याशिवाय माझ्या कुटुंबियांच्या बहुमोल मदतीने, प्रामुख्याने माझे पति प्रा. डॉ. जगताप ह. ना. यांच्या बहुमोल सहकार्याने माझ्या लघुसोध प्रबंधाने मूर्त स्वरूप धारण केले. त्यांचेही मी हार्दिक आभार मानते.

लघुसोध प्रबंधाचे टंकलेखन श्री साठे एन्. बी. यांनी उत्कृष्ट व तत्परतेने केल्यामुळे या प्रबंधास परिपूर्णत्व आले. त्यांचेही मी मनापासून आभार मानते. उपरोक्त सर्व श्रेष्ठ्यांचे पुन्हा कृतज्ञतापूर्वक आभार मानून मी माझे ऋणनिर्देश संपविते.

सोलापूर

सौ. जगताप आ. ह.

अनुक्रमणिका

| प्रकरण क्र. | शीर्षक | पृष्ठांक |
|-------------|--|----------|
| | मुखपृष्ठ | i |
| | प्रतिज्ञापत्र | ii |
| | मार्गदर्शकाचे प्रमाणपत्र | iii |
| | प्राचायचि प्रमाणपत्र | iv |
| | ऋणनिर्देश | v |
| | अनुक्रमणिका | vi |
| | कोष्टकांची यादी | x |
| १. | <u>प्रस्तावना</u> | |
| | प्रास्ताविक | ०१ |
| | १.१ शिक्षण म्हणजे सर्वांगीण विकास | ०२ |
| | १.२ सामाजिक अर्थ | ०३ |
| | १.३ अभियोग्यता म्हणजे काय ? | ०८ |
| | १.४ संशोधनाची गरज | १० |
| | १.५ संशोधनाचे महत्त्व | १२ |
| | १.६ संशोधनाचे शीर्षक | १३ |
| | १.७ संशोधनाची उद्दिष्टे | १४ |
| | १.८ प्रमुख संज्ञांच्या व्याख्या | १४ |
| | १.९ संशोधनाची व्याप्ती व मर्यादा | १५ |
| २६ | <u>संबंधित साहित्याचे व संशोधनाचे सिंहावलोकन</u> | |
| | प्रास्ताविक | १६ |
| | २.१ संबंधित साहित्याभ्यासाचे महत्त्व | १७ |
| | २.२ संबंधित संशोधनाचा आढावा | १८ |
| | २६२.१ गेवाल-१९७६ | २० |
| | २.२.२ गुप्ता-१९७६ | २१ |
| | २.२.३ गुप्ता-१९६९ | २२ |

| प्र. क्र. | शीर्षक | पृष्ठांक |
|-----------|--------------------------------------|----------|
| | २. २. ४ मेहरोत्रा | २३ |
| | २. २. ५ श्रीवास्तव १९६५ | २६ |
| | २. २. ६ उपाध्याय १९७६ | २७ |
| | २. २. ७ चतर्जी-मुखर्जी १९७८ | २९ |
| | २. २. ८ पटेल डी. पी. १९८० | ३० |
| | २. २. ९ पांडे के. पी. १९६८ | ३२ |
| ३. | <u>अभियोग्यता - स्वल्प व मापन</u> | |
| ३. १ | प्रास्ताविक | ३५ |
| ३. २ | अभियोग्यतेचा अर्थ | ३७ |
| ३. ३ | अभियोग्यतेचे स्वल्प | ४३ |
| ३. ३. १ | अभियोग्यता जन्मजात की संपादित | ४३ |
| ३. ३. २ | अभियोग्यता कायम की बदलती | ४४ |
| ३. ३. ३ | अभियोग्यता एकात्म की वैविध्यपूर्ण | ४४ |
| ३. ३. ४ | अभियोग्यतेबद्दल बिगहेंमचे मत | ४५ |
| ३. ३. ५ | अभियोग्यतेबद्दल सुपरचे मत | ४७ |
| ३. ४ | अभियोग्यतेसंबंधी काही मूलभूत गृहीतके | ४८ |
| ३. ५ | अभियोग्यता कसोटी तयार करण्याचे तंत्र | ४९ |
| ३. ६ | अभियोग्यता कसोट्या | ५० |
| ३. ७ | काही अभियोग्यता कसोट्या | ५३ |
| ३. ७. १ | हस्तकौशल्य | ५३ |
| ३. ७. २ | यांत्रिक अभियोग्यता | ५४ |
| ३. ७. ३ | व्यावसायिक अभियोग्यता | ५६ |
| ३. ७. ४ | लिपिक अभियोग्यता | ५७ |
| ३. ७. ५ | संगीत अभियोग्यता | ५८ |
| ३. ८ | अभियोग्यता कसोटी समूह | ५९ |
| ३. ८. १ | भाषिक तर्क | ६० |
| ३. ८. २ | संख्यात्मक कौशल्य | ६० |
| ३. ८. ३ | अमूर्त तर्क | ६० |

| प्रकरण क्र. | शीर्षक | पृष्ठांक |
|-------------|--|----------|
| ३ | ३. ८. ४ अवकाश संवेदन क्षमता | ६० |
| | ३. ८. ५ यांत्रिक ज्ञान | ६० |
| | ३. ८. ६ लिपिक कामातील गती | ६० |
| | ३. ८. ७ भाषिक कौशल्य | ६१ |
| | ३. ९ कसोटी समूहासाठी प्रमाणके | ६१ |
| | ३. १० आलेखाचा उपयोग | ६१ |
| | ३. ११ अध्यापनविषयक अभियोग्यता | ६२ |
| | ३. १२ अभियोग्यता कसोट्यांचे उपयोग | ६२ |
| | ३. १३ सप्तसूत्र योजना | ६३ |
| | ३. १४ अभियोग्यता कसोट्यावरून निष्कर्ष काढताना घ्यावयाची काळजी | ६५ |
| | ३. १५ संशोधकाने वापरलेली अभियोग्यता कसोटी | ६६ |
| ४ | <u>संशोधनाची कार्यपद्धती</u> | |
| | ४. १ संशोधन पद्धती | ६८ |
| | ४. १. १ ऐतिहासिक संशोधन पद्धती | ६९ |
| | ४. १. २ प्रायोगिक संशोधन पद्धती | ६९ |
| | ४. १. ३ वर्णनात्मक संशोधन पद्धती | ७२ |
| | ४. १. ४ सर्वेक्षण पद्धती | ७४ |
| | ४. २ प्रस्तुत संशोधनाची पद्धती | ७६ |
| | ४. २. १ नमुना निवड | ७७ |
| | ४. २. २ नमुना निवड पद्धतीची गृहितके | ७८ |
| | ४. २. ३ नमुना निवडीच्या पद्धती | ७९ |
| | ४. २. ४ संभाव्यतेवर आधारित पद्धती | ८० |
| | ४. २. ५ असंभाव्य पद्धती | ८५ |
| | ४. ३ संशोधनाची पद्धती | ८६ |
| | ४. ४ संशोधनाची साधने | ८७ |
| ५. | <u>संकलित माहितीचे विश्लेषण व अर्थनिर्वचन</u> | ८९ |

| प्रकरण क्र. | शीर्षक | पृष्ठांक |
|-------------|---|----------|
| ६. | <u>सारांश, निष्कर्ष व शिफारशी</u> | |
| ६. १ | प्रस्तावना | १५५ |
| ६. २ | प्रकरणाचे सुसूत्रीकरण | १५५ |
| ६. ३ | सारांश | १५७ |
| ६. ४ | निष्कर्ष | १६२ |
| ६. ४. १ | प्राथमिक शाळेतील शिक्षकांच्या मानसिक क्षमतेसंबंधी निष्कर्ष | १६२ |
| ६. ४. २ | प्राथमिक शाळेतील शिक्षकांच्या विद्यार्थ्याकडे पहाण्याच्या दृष्टीकोणाबाबत निष्कर्ष | १६२ |
| ६. ४. ३ | सोलापूर शहरातील प्राथमिक शाळेतील शिक्षकांच्या समायोजन क्षमतेबाबत निष्कर्ष | १६२ |
| ६. ४. ४ | प्राथमिक शाळेतील शिक्षकांच्या व्यावसायिकतेचा आढावा घेण्याबाबत निष्कर्ष | १६३ |
| ६. ४. ५ | प्राथमिक शाळेतील शिक्षकांची व्यवसायाबद्दलची अभिरुची तपासणीबाबत निष्कर्ष | १६३ |
| ६. ५ | शिफारशी | १६३ |
| ६. ६ | पुढील संशोधनासाठी सूचना | १६४ |
| | <u>संदर्भ ग्रंथ सूची</u> | १६६ |
| | <u>परिशिष्ट</u> | |
| "अ" | मुख्याध्यापक विनंती पत्र | १७० |
| "ब" | शिक्षकांसाठी प्रश्नावली | १७१ |
| "क" | अध्यापन अभिक्षमता परीक्षण माला - कसोटी | १८९ |
| "ड" | सोलापूर शहरातील मराठी माध्यमाच्या प्राथमिक शाळांची यादी | |

कोष्ठकांची यादी

| कोष्ठक क्र. | शीर्षक | पृष्ठांक |
|-------------|---|----------|
| १ | "अध्यापन अभिक्षमता परीक्षण माला" कसोटीचे गुणांकन | ९० |
| २ | वारंवारिता सारणी | ९९ |
| ३ | उपविभाग एकची वारंवारिता | १०० |
| ४ | उपविभाग एकच्या शततमकाच्या किंमती दर्शविणारा तक्ता | १०४ |
| ५ | उपविभाग दोनची वारंवारिता | १०५ |
| ६ | उपविभाग दोनच्या शततमकाच्या किंमती दर्शविणारा तक्ता | १०७ |
| ७ | उपविभाग तीनची वारंवारिता | १०८ |
| ८ | उपविभाग तीनच्या शततमकाच्या किंमती दर्शविणारा तक्ता | ११० |
| ९ | उपविभाग चारची वारंवारिता | १११ |
| १० | उपविभाग चारच्या शततमकाच्या किंमती दर्शविणारा तक्ता | ११३ |
| ११ | उपविभाग पाचची वारंवारिता | ११४ |
| १२ | उपविभाग पाचच्या शततमकाच्या किंमती दर्शविणारा तक्ता | ११६ |
| १३ | उपविभागाप्रमाणे शततमकाच्या किंमती | ११७ |
| १४ | प्रमाणित शततमक व प्रत्यक्ष कसोटी शततमक यांच्या किंमती | ११८ |

| कोडटक क्र. | शीर्षक | पृष्ठांक |
|------------|---|----------|
| १५ | उपविभाग एकची वारंवारिता व शततमक दर्शविणारा तक्ता | ११९ |
| १६ | उपविभाग दोनची वारंवारिता व शततमक दर्शविणारा तक्ता | १२२ |
| १७ | उपविभाग तीनची वारंवारिता व शततमक दर्शविणारा तक्ता | १२५ |
| १८ | उपविभाग चारची वारंवारिता व शततमक दर्शविणारा तक्ता | १२८ |
| १९ | उपविभाग पाचची वारंवारिता व शततमक दर्शविणारा तक्ता | १३१ |
| २० | वारंवारिता वितरण | १४३ |
| २१ | उपविभाग एक - वारंवारिता वितरण | १४४ |
| २२ | उपविभाग दोन - वारंवारिता वितरण | १४६ |
| २३ | उपविभाग तीन - वारंवारिता वितरण | १४८ |
| २४ | उपविभाग चार - वारंवारिता वितरण | १५० |
| २५ | उपविभाग पाच - वारंवारिता वितरण | १५२ |

| शेड्युल नं. | शीर्षक | पृष्ठसंख्या |
|-------------|--|-------------|
| १५ | उपविभाग एकवीं वारंवारिता व शततमक दर्शिविणारा तक्ता | ११२ |
| १६ | उपविभाग दोन्ही वारंवारिता व शततमक दर्शिविणारा तक्ता | ११२ |
| १७ | उपविभाग तीनही वारंवारिता व शततमक दर्शिविणारा तक्ता | ११५ |
| १८ | उपविभाग चारवी वारंवारिता व शततमक दर्शिविणारा तक्ता | १२८ |
| १९ | उपविभाग पाचवी वारंवारिता व शततमक दर्शिविणारा तक्ता | १३१ |
| २० | वारंवारिता वितरण | १४३ |
| २१ | उपविभाग एक - वारंवारिता वितरण | १४४ |
| २२ | उपविभाग दोन - वारंवारिता वितरण | १४६ |
| २३ | उपविभाग तीन - वारंवारिता वितरण | १४८ |
| २४ | उपविभाग चार - वारंवारिता वितरण | १५० |
| २५ | उपविभाग पाच - वारंवारिता वितरण | १५२ |